BG-53

B.Ed. IInd Semester Examination, 2021

Economics

Paper - PC-II

[Maximum Marks : 75

नोट :- प्रत्येक खण्ड से पूछे गये प्रश्नों के अंक समान है। प्रत्येक खण्ड का उत्तर नवीन पृष्ठ से प्रारम्भ करें। समस्त प्रश्नों को अनिवार्यतः हल करें। उत्तर पुस्तिका की संख्या सामान्यतः 16 पृष्ठ से अधिक न हो। विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में उत्तर लिखना अनिवार्य है। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bubhopal.ac.in से प्राप्त करें। (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सामान्यतः 250 शब्दों से अधिक न हों।)

Note :- All questions from each section carry equal marks. All questions are compulsory and answer limit are approximately 250 words. Start the answer of each section from new page. Maximum limit of pages of answer booklet are approximately 16 pages. Answer should be written by the student in his/her own handwriting mandatory. The first page of answersheet should be download by the student from university website www.bubhopal.ac.in is mandatory.

1. इक्कीसवीं सदी में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और अर्थशास्त्र अध्ययन के महत्व की विवेचना कीजिए।
Discuss the international relations and significance of study of economics in twenty-first century.

2. अर्थशास्त्र की प्रकृति की विवेचना कीजिए।
Discuss the nature of economics.

3. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध क्या होते हैं ? 21वीं सदी में यह क्यों आवश्यक हैं ?
What are international relations ? Why they are necessary in 21st Century ?

4. अर्थशास्त्र शिक्षण के सांस्कृतिक उद्देश्य बताइये।
State the cultural aims of teaching economics.

5. अर्थशास्त्र का सामाजिक विज्ञान के अन्य घटकों से सम्बन्ध बताइये।
State the relation of economics with other components of social science.

✦✦✦